| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 10. | Karnataka | 2041 | 2263 | 2281 | 2423 | 2501 |
| 11. | Kerala | 1815 | 1826 | 1932 | 2043 | 2113 |
| 12. | Madhya Pradesh | 1698 | 1539 | 1620 | 1766 | 1738 |
| 13. | Maharashtra | 3456 | 3357 | 3734 | 3980 | 4157 |
| 14. | Manipur | 1739 | 1842 | 1890 | 1921 | — |
| 15. | Meghalaya | 1735 | 1759 | 1612 | 1698 | 1835 |
| 16. | Nagaland | 1891 | 1900 | — | — | — |
| 17. | Orissa | 1383 | 1530 | 1476 | 1542 | 1581 |
| 18. | Punjab | 3737 | 3841 | 3932 | 4053 | 4167 |
| 19. | Rajasthan | 1942 | 1773 | 1934 | 1760 | 2016 |
| 20. | Sikkim | 3369 | 3492 | — | — | — |
| 21. | Tamil Nadu | 2275 | 2311 | 2405 | 2498 | 2656 |
| 22. | Tripura | 1667 | 1689 | 1713 | — | — |
| 23. | Uttar Pradesh | 1652 | 1626 | 1618 | 1638 | 1663 |
| 24. | West Bengal | 2105 | 2187 | 2241 | 2323 | 2434 |

Q: Quick Estimates P: Provisional
— Not made available by the concerned State Governments.

Source: Central Statistical Organisation
Note: The State of Mizorom prepare these estimates at Current prices only.

**DDA Flats Remaining Unoocupied**

472. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what is the number of DDA flats, with localities, which have since been allotted but have not been occupied by the allottees during the last three years; and

(b) what are the reasons for these houses/flats remaining unoccupied?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT (DR. U. VENKATESWARLU): (a) and (b) D.D.A. has reported that in about 630 cases, where payments have been made by the concerned individuals for the flats allotted to them, possession letters to occupy the flats at site have not been issued because of non-availability of electricity. These flats are unoccupied and are mainly located in Dwarka, Rohini, Kondli, Gharoli and Narela.

**नई विद्युत नीति**

473. **श्री कनकसिंह मोहन सिंह मंगरोला:**
**श्री मोहिन्दर सिंह कल्याण:**

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने नई विद्युत-नीति को अन्तिम रूप दे दिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें कौन-कौन सी विदेशी तथा निजी कम्पनियां शामिल हैं;

(ग) क्या इस नीति को लागू कर दिया गया है; यदि नहीं तो इसे कब तक लागू किए जाने का विचार है; और

(घ) इस संबंध में यदि कोई विलम्ब है तो उसके क्या कारण हैं?

**विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० एस० वेणुगोपालाचारी):** (क) बदलती हुई आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए विद्युत नीति में समय-समय पर संशोधन/परिवर्तन किया जाता है।

(ख) और (ग) राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की गयी सूचनाओं के अनुसार, भारत में निजी क्षेत्र में विद्युत

परियोजनाएं स्थापित करने के लिए भारतीय एवं विदेशी कंपनियों से 194 अभिरूचियों के प्रस्ताव प्राप्त किए गए हैं। निजी क्षेत्र में विद्युत परियोजनाओं, जो क्रियान्वयन की विभिन्न अवस्थाओं में है, का ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

| क्रम सं॰ | परियोजना/प्रवर्तक का नाम | क्षमता (मे॰वा॰) | अनंतिम लागत (करोड़ रुपये)* |
|---|---|---|---|
| 1. | जेगुरूपाडु जीबीपीपी मैसर्स जीवीके इंडस्ट्रिज | 216 | 816.00 |
| 2. | गोदावरी जीबीपीपी मैसर्स स्पैक्ट्रम टैक्नालॉजी | 208 | 748.43 |
| 3. | डाभोल सीसीजीटी मैसर्स डाभोल पावर कंपनी | 695 (फेज-1) | 2912.00 |
| 4. | बसप्पा एचईपी जयप्रकाश इंडस्ट्रिज लि॰ | 300 | 949.23 |
| 5. | हजीरा सीसीपीपी मैसर्स एस्सार पावर लि॰ | 515 | 1666.56 |
| 6. | पगुथन जीबीपीपी मैसर्स गुजरात टोरेंट एनर्जी कारपोरेशन | 655 | 2298.14 |
| 7. | महेश्वर एचईपी मैसर्स एस॰ कुमार्स लि॰ | 400 | 1073.00 |
| 8. | तवा एचईपी मैसर्स हिन्दुस्तान इलेक्ट्रोग्राफिक्स लि॰ | 12 | 65.00 |
| 9. | बड़ोदा सीसीजीटी मैसर्स जीआईपीसीएल | 167 | 341.13 |
| 10. | जोजोबेरा टीपीपी मैसर्स जमशेदपुर पावर कंपनी लि॰ | 202.5 | 981.00 |
| 11. | आदमटीला जीबीपीपी मैसर्स टीएलएफ पावर लि॰ | 9 | 40.00 |
| 12. | बनासकांडी जीबीपीपी मैसर्स डीएलएफ पावर लि॰ | 151.5 | 70.00 |

* जहां राज्य/प्रवर्तक द्वारा अनंतिम लागत अनुमान नहीं दिए गए हैं, वहां पूंजीगत लागत 3.5 करोड़ रु॰/मे॰वा॰ कल्पित की गयी है।

(घ) अधिकतर निजी प्रवर्त्तकों द्वारा अभी निवेश लिकेंजों को अंतिम रूप दिया जाना है और विस्तृत परियोजना रिपोर्टों को तकनीकी आर्थिक स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करना है।

**Project to Produce Petroleum from Plants**

474. SHRI JAYANT KUMAR MALHOUTRA: Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Institute of Petroleum, Dehradun and the National Botanical Research Institute, Lucknow have started a project to produce petroleum from certain plants known as Petrol-Plants; and

(b) if so, the details thereof and the progress made so far?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI YOGINDER K. ALAGH): (a) Yes, Sir. Indian Institute of Petroleum (IIP), Dehradun and National Botanical Research Institute (NBRI), Lucknow had undertaken in 1979 a project on introduction, screening and cultivation of potential petro-crops and their conversion to petroleum hydrocarbons.

(b) The project was initiated with funding from Department of Non-Conventional Energy Sources, Government of India. The project was carried out in three phases each phase